प्रश्न:

बाइबल में अक्सर “परमेश्वर की गवाही” का उल्लेख मिलता है। ये गवाही क्या है?

हम इसे निम्न पदों में देखते हैं:

भजन संहिता 119:2
धन्य हैं वे जो उसकी चितौनियों को मानते हैं,
और पूरे मन से उसे ढूँढ़ते हैं।

भजन संहिता 119:22
मुझ से निन्दा और तिरस्कार दूर कर,
क्योंकि मैं तेरी चितौनियों को मानता हूँ।

भजन संहिता 119:24
तेरी चितौनियाँ ही मेरे आनन्द का कारण हैं,
और वे मेरे परामर्शदाता हैं।

भजन संहिता 119:99
मुझे अपने सब शिक्षकों से अधिक समझ है,
क्योंकि मैं तेरी चितौनियों पर ध्यान करता हूँ।

(यह भी देखें: भजन संहिता 119:119, 144; 132:12)

“गवाही” का क्या अर्थ है?

“गवाही” का अर्थ है किसी बात की सच्चाई की पुष्टि करना—अर्थात् साक्षी देना।

उदाहरण के लिए, यदि मैं कहूँ, “वह व्यक्ति दयालु है,” तो मैं

उसके बारे में गवाही दे रहा हूँ, क्योंकि मैंने उसकी दयालुता को देखा या अनुभव किया है।

यह उस स्थिति से अलग है जब कोई व्यक्ति स्वयं अपने बारे में कहे।

उसी प्रकार, परमेश्वर ने भी कुछ बातों को सत्य ठहराया है। इन्हीं को बाइबल में उसकी गवाही कहा गया है।

जब स्वयं परमेश्वर किसी बात की पुष्टि करता है, तो हमें पूरा विश्वास होता है कि उस पर चलने से हम भटकेंगे नहीं। इसके विपरीत, मनुष्यों की गवाही कभी-कभी गलत या भ्रामक हो सकती है।

परमेश्वर की मुख्य गवाही क्या है?

परमेश्वर की सबसे बड़ी गवाही यह है:

यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है, और उसी में जीवन है।

1 यूहन्ना 5:9–12
यदि हम मनुष्यों की गवाही को मान लेते हैं, तो परमेश्वर की

गवाही उससे बड़ी है; क्योंकि परमेश्वर की गवाही यह है, जो
उसने अपने पुत्र के विषय में दी है।

जो परमेश्वर के पुत्र पर विश्वास करता है, वह यह गवाही अपने भीतर रखता है; और जो परमेश्वर पर विश्वास नहीं करता, वह उसे झूठा ठहराता है, क्योंकि उसने उस गवाही पर विश्वास नहीं किया जो परमेश्वर ने अपने पुत्र के विषय में दी है।

और वह गवाही यह है कि परमेश्वर ने हमें अनन्त जीवन दिया है, और यह जीवन उसके पुत्र में है।

जिसके पास पुत्र है, उसके पास जीवन है; और जिसके पास परमेश्वर का पुत्र नहीं है, उसके पास जीवन नहीं है।

यह परमेश्वर की मुख्य गवाही है। और यही संदेश हमें संसार को सुनाना है—कि यीशु मसीह में उद्धार और अनन्त जीवन है।

प्रेरितों के काम 4:33
और प्रेरित बड़े सामर्थ्य के साथ प्रभु यीशु के जी उठने की गवाही देते रहे, और उन सब पर बड़ा अनुग्रह था।

परमेश्वर की एक और गवाही

परमेश्वर की एक और गवाही यह है:

जो लोग विश्वास करते हैं, वे परमेश्वर की सन्तान हैं।

यह बात परमेश्वर स्वयं हमारे भीतर अपने पवित्र आत्मा के द्वारा प्रमाणित करता है।

रोमियों 8:16–17
आत्मा आप ही हमारी आत्मा के साथ गवाही देता है कि हम
परमेश्वर की सन्तान हैं।
और यदि सन्तान हैं, तो वारिस भी हैं—अर्थात् परमेश्वर के
वारिस और मसीह के सह-वारिस; यदि हम उसके साथ दुःख उठाएँ, तो
उसके साथ महिमा भी पाएँ।

यीशु ही अकेला पुत्र नहीं है इस अर्थ में कि हम बाहर रह जाएँ—बल्कि उस पर विश्वास करने से हम भी परमेश्वर की सन्तान बन जाते हैं।

यूहन्ना 1:12
पर जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की
सन्तान होने का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास करते हैं।

इस सच्चाई में कैसे जिएँ

इसलिए जब हम मसीह की तरह दुःखों से गुजरते हैं, तो हमें डरना या शिकायत नहीं करनी चाहिए। बल्कि हमें आनन्दित होना चाहिए।

क्यों? क्योंकि जैसे मसीह ने दुःख सहा और फिर महिमा में प्रवेश किया, वैसे ही हम भी उसकी महिमा में सहभागी होंगे।

परमेश्वर चाहता है कि हम इस संसार में साहस के साथ जिएँ—अनाथों की तरह नहीं, बल्कि ऐसे बच्चों की तरह जिन्हें पता है कि उनका स्वर्गीय पिता है, जो उनके जीवन की हर बात का ध्यान रखता है।

यदि परमेश्वर ने स्वयं हमें अपनी सन्तान ठहराया है, तो हम क्यों सन्देह करें?
मनुष्य क्यों इन्कार करें?

संसार क्यों विरोध करे?

निष्कर्ष

जब हम कहते हैं कि हम “उसकी गवाही को मानते हैं,” तो इसका अर्थ है:

हम यीशु मसीह में मिलने वाले उद्धार और जीवन पर विश्वास करते हैं
हम स्वीकार करते हैं कि हम परमेश्वर की सन्तान हैं
हम उसके नाम के लिए दुःख सहने को तैयार रहते हैं
हम ऐसा जीवन जीते हैं जो उसे प्रसन्न करे
हम आने वाली महिमा की आशा को दृढ़ता से थामे रहते हैं

प्रभु आपको आशीष दे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp